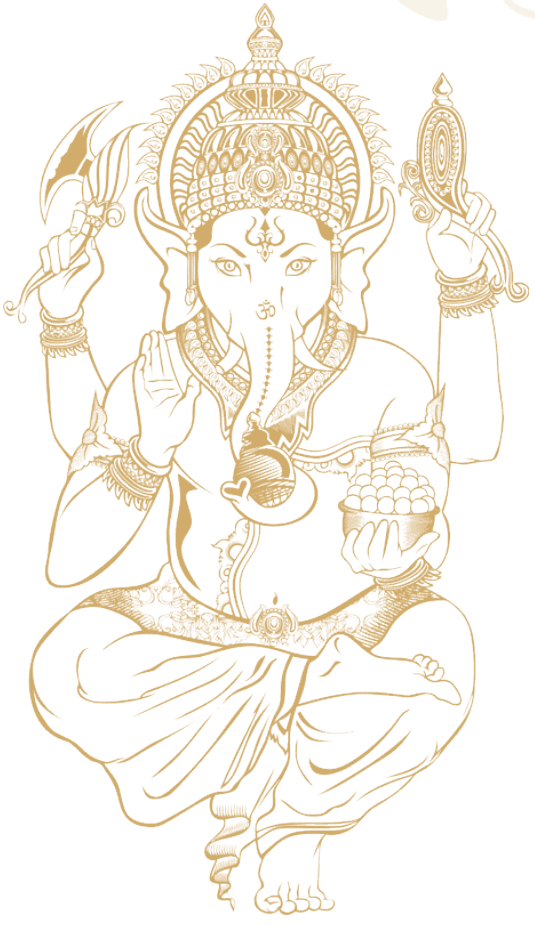

Pratik Raj

26 Jan 1999

10:00 AM

Siwan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121060202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/01/1999**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	08:20:04 घटी
स्थान	**Siwan**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:14:00 उत्तर
रेखांश	84:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:07:24 घंटे
वेलान्तर	-00:12:27 घंटे
साम्पातिक काल	18:27:32 घंटे
सूर्योदय	06:39:58 घंटे
सूर्यास्त	17:30:23 घंटे
दिनमान	10:50:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:55:06 मकर
लग्न के अंश	15:40:16 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:40:16	496:28:48	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			मक	11:55:06	01:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	00:12:54	14:16:17	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	उच्च राशि
मंगल			तुला	06:01:52	00:24:33	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	मक	05:48:52	01:38:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	02:26:44	00:11:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	03:03:11	01:14:51	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मेष	03:37:12	00:02:59	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:23:31	00:01:10	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:23:31	00:01:10	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:31:06	00:03:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:09:35	00:02:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:02:27	00:01:31	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	12:28:30	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:29

लग्न-चलित

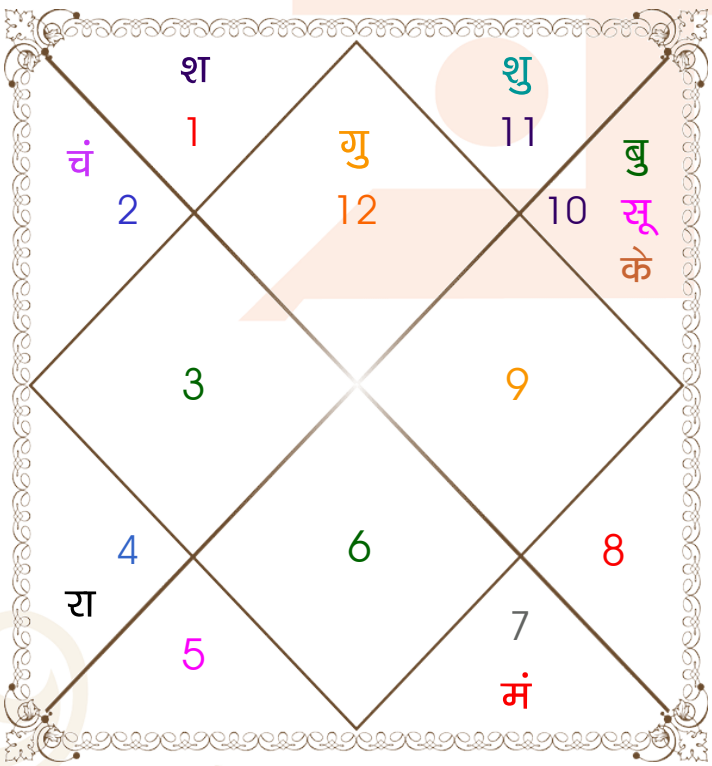

चन्द्र कुंडली

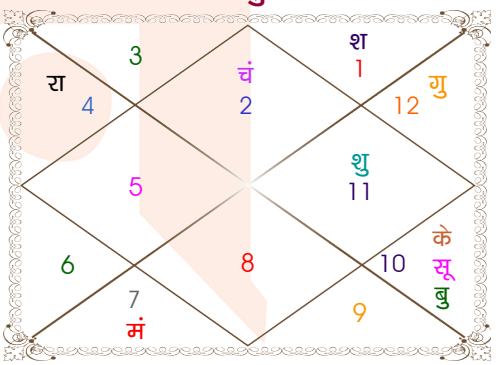

नवमांश कुंडली

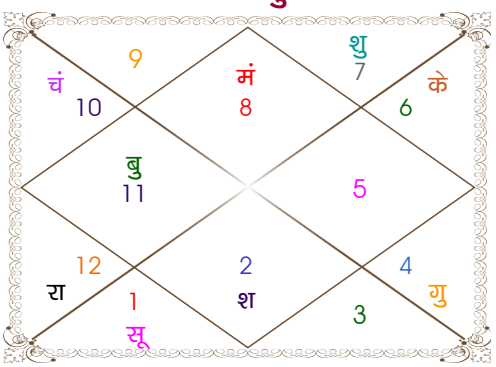

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 4 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/01/1999		22/06/2003		22/06/2013		21/06/2020		22/06/2038	
22/06/2003		22/06/2013		21/06/2020		22/06/2038		22/06/2054	
	00/00/0000	चंद्र	22/04/2004	मंगल	18/11/2013	राहु	05/03/2023	गुरु	09/08/2040
	00/00/0000	मंगल	21/11/2004	राहु	06/12/2014	गुरु	28/07/2025	शनि	20/02/2043
	26/01/1999	राहु	23/05/2006	गुरु	12/11/2015	शनि	03/06/2028	बुध	28/05/2045
राहु	10/07/1999	गुरु	22/09/2007	शनि	21/12/2016	बुध	22/12/2030	केतु	04/05/2046
गुरु	28/04/2000	शनि	22/04/2009	बुध	18/12/2017	केतु	09/01/2032	शुक्र	02/01/2049
शनि	10/04/2001	बुध	21/09/2010	केतु	16/05/2018	शुक्र	09/01/2035	सूर्य	21/10/2049
बुध	14/02/2002	केतु	22/04/2011	शुक्र	17/07/2019	सूर्य	04/12/2035	चंद्र	20/02/2051
केतु	22/06/2002	शुक्र	21/12/2012	सूर्य	21/11/2019	चंद्र	03/06/2037	मंगल	27/01/2052
शुक्र	22/06/2003	सूर्य	22/06/2013	चंद्र	21/06/2020	मंगल	22/06/2038	राहु	22/06/2054

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/06/2054		22/06/2073		22/06/2090		22/06/2097		23/06/2117	
22/06/2073		22/06/2090		22/06/2097		23/06/2117		00/00/0000	
शनि	25/06/2057	बुध	18/11/2075	केतु	18/11/2090	शुक्र	22/10/2100	सूर्य	10/10/2117
बुध	04/03/2060	केतु	15/11/2076	शुक्र	18/01/2092	सूर्य	22/10/2101	चंद्र	11/04/2118
केतु	13/04/2061	शुक्र	15/09/2079	सूर्य	25/05/2092	चंद्र	23/06/2103	मंगल	17/08/2118
शुक्र	12/06/2064	सूर्य	22/07/2080	चंद्र	24/12/2092	मंगल	22/08/2104	राहु	27/01/2119
सूर्य	25/05/2065	चंद्र	21/12/2081	मंगल	22/05/2093	राहु	23/08/2107		00/00/0000
चंद्र	25/12/2066	मंगल	19/12/2082	राहु	10/06/2094	गुरु	23/04/2110		00/00/0000
मंगल	02/02/2068	राहु	07/07/2085	गुरु	17/05/2095	शनि	23/06/2113		00/00/0000
राहु	09/12/2070	गुरु	13/10/2087	शनि	25/06/2096	बुध	23/04/2116		00/00/0000
गुरु	22/06/2073	शनि	22/06/2090	बुध	22/06/2097	केतु	23/06/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।